



DCA-1901030201020301 Seat No. \_\_\_\_\_

**B. A. (Sem. II) (CBCS) (W.E.F. 2019) Examination**

**July - 2022**

**Hindi (Elective-I)**

*(AAdhunik Hindi Kavya : Nahush)*

*(New Course)*

Time : 2 $\frac{1}{2}$  Hours]

[Total Marks : 70

- सूचना : (1) सुचनानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।  
(2) सभी प्रश्नों के अंक दाहिनी ओर निर्दिष्ट हैं ।

- |   |  |    |
|---|--|----|
| 1 | मैथिलीशरण गुप्त के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए ।          | 14 |
|   | अथवा   |    |
| 1 | ‘नहुष’ खंडकाव्य के आधार पर नहुष का चरित्र – चित्रण कीजिए।            | 14 |
| 2 | भावपक्ष और कलापक्ष की दृष्टि से ‘नहुष’ खंडकाव्य का मूल्यांकन कीजिए । | 14 |
|   | अथवा   |    |
| 2 | ‘नहुष’ खंडकाव्य का कथानक लिखकर उद्देश्य स्पष्ट कीजिए ।               | 14 |
| 3 | ‘नहुष’ खंडकाव्य की प्रतिकात्मकता पर प्रकाश डालिए ।                   | 14 |
|   | अथवा   |    |
| 3 | ‘नहुष’ खंडकाव्य के आधार पर शची का चरित्र – चित्रण कीजिए ।            | 14 |
| 4 | ‘नहुष’ एक सफल खंडकाव्य है । इस कथन की समीक्षा कीजिए ।                | 14 |
|   | अथवा   |    |
| 4 | ‘नहुष’ खंडकाव्य की संवाद योजना पर प्रकाश डालिए ।                     | 14 |
| 5 | किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए :  | 14 |
|   | (१) ‘नहुष’ खंडकाव्य के शीर्षक की सार्थकता।                           |    |
|   | (२) ‘नहुष’ खंडकाव्य की रस-योजना।                                     |    |
|   | (३) ‘नहुष’ खंडकाव्य में व्यक्त देवलोक।                               |    |
|   | (४) ‘नहुष’ खंडकाव्य की अलंकार योजना।                                 |    |